ऐतिहासिक सिन्धी सम्मेलन का समापन

गुड़गाँव, 23 नवम्बरः ओमशान्ति रिट्रीट सेन्टर बहोड़ाकलाँ में तीन दिवसीय ऐतिहासिक सिन्धी सम्मेलन का समापन हुआ। सिन्धी समुदाय के लोगों ने प्रतिज्ञा की कि एक वर्ष के अन्दर हम सभी मिलकर सारे विश्व में शान्ति व प्रेम का सन्देश देंगे। आध्यात्मिकता को अपनाकर भ्रष्टाचार को समाप्त करेंगे और दूसरों के दुःख दर्द में सहायक बनेंगें ।

ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृद्य मोहिनी जी ने कहा कि पहले स्वयं के अन्दर की अशान्ति को दूर करना आवश्यक है तभी हम दूसरों के मन की अशान्ति को मिटा सकते हैं। उन्होंने कहा कि परमात्मा हमें ऐसी शक्ति प्रदान करता हैं जिसके द्वारा हम स्वयं शक्तिशाली बन दूसरों को शक्तिशाली बना सकते हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी जी ने कहा कि ज्ञान सूर्य के प्रकाश से अज्ञानता का अंधकार दूर करना है। उन्होंने कहा कि सिन्ध से चली परिवर्तन की लहर सारे विश्व को सुखी और शान्त बनायेगी जिसमें आप सभी का सहयोग आवश्यक है। आप अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय निकालकर ध्यान करें तथा विश्व के लिये शुभभावना शुभकामना रखगें तो आपके वायब्रेशन सारे विश्व को शान्ति देंगें। आप अपने श्रेष्ठ आचरण से भ्रष्टाचार को दूर कर सकते है।

लंदन से आये बी.के. गिरीश वाधवानी एवं किशोर वाधवानी ने प्रसिद्ध झूलेलाल गीत से सभी सिन्धियों को नचाया।

(बी.के. आशा)
निदेशिका, ओ.आर.सी.